वार्तालाप 562 धूलावाड़ी (नेपाल)–2 ता : 03.05.08
Disc.CD No.562, dated 03.05.08 at Dhulawari-2 (Nepal)

समय–00.00–00.20
बाबाः एकदम लास्ट में आनेवाला भी कोई मणका फास्ट जा सकता है। क्या कहा? नहीं जा सकता है? लास्ट में चुनाव होगा और फर्स्ट गद्दी पर बैठ जायेगा। ऐसे अभी भी हो रहा है। आज ही सरेन्डर हुआ और दो–चार दिन के अंदर एन.एस. में जा के बैठ गया।

Time: 00.00-00.20
Baba: Even a bead that comes in the very last period can go fast. What was said? Can he not go fast? The selection will take place in the last period and he will go and sit first on the throne. It is happening like this even now. Someone surrenders today itself and within two to four days he goes and sits in NS.

समय–00:28–01.15
जिज्ञासुः बाबा एक है महाकाली, एक है महाकाल और एक है काली। काली से भी भयंकर पार्ट महाकाली बजाती है ना।
बाबाः हाँ।
जिज्ञासुः महाकाली से भी भयंकर पार्ट तो महाकाल बजाता है।
बाबाः महाकाल तो और भी भयंकर पार्ट है। वो तो, महाकाल तो धर्मराज का ऐसा पार्ट बजाता है जो सजाएँ भी दिलाता है और सजाएँ जितना जो ज्यादा खाता है उसका पद भी उतना ही नीचा करा देता है। महाकाली तो ऐसा नहीं कराती। महाकाली के द्वारा सजाएँ खाने का अनुभव करेंगे। पद कितना नीचा हो गया वो तो पता नहीं चलेगा।

Time: 00.28-01.15
Student: Baba, one is Mahakaali, one is Mahakaal and one is Kaali. Mahakaali plays a more ferocious part than Kaali, doesn't she?
Baba: Yes.
Student: Mahakaal plays a more ferocious part than Mahakaali.
Baba: The part of Mahakaal is even more ferocious. Mahakaal plays such part of Dharmaraj that he gives punishments; and the more punishments someone suffers, he makes his post lower to that extent. Mahakaali does not do so. They will experience punishments through Mahakaali. They will not know how low the post has become.

समय–01.21–09.22
जिज्ञासुः और बाबा, भक्तिमार्ग में काली गंदगी से गणेश को बनाती है। तो ये ज्ञान में कैसे लागू होता है?
बाबाः इसका मतलब ये है कि निराकार परमपिता परमात्मा शिव ज्योति बिन्दु पुरूष में प्रवेश करते हैं या स्त्री में प्रवेश करते हैं? पुरूष तन में प्रवेश करते हैं। तो उस पुरूष तन के द्वारा जो रचना बनती है डायरेक्ट; और स्त्री चोले में तो प्रवेश ही नहीं करते। करते हैं क्या? नहीं करते। उस स्त्री चोले में मम्मा–बाबा की आत्माएँ प्रवेश कर सकती हैं या नहीं कर सकती हैं? कर सकती हैं। तो प्रवेश करने वाले दूसरे ग्रेड के हुए या फर्स्ट ग्रेड के हुए? दूसरा ग्रेड हो गया। तो पार्वती जिसके तन में ब्रह्मा की सोल या जिसके तन में छोटी मम्मा की सोल प्रवेश करती है उनमें देहभान होता है या नहीं होता है? शिव में देहभान नहीं होता है लेकिन और जो भी मनुष्य मात्र हैं उनमें कुछ न कुछ देहभान अभी भी है। इसलिए पार्वती ज्ञान स्नान करते समय जो मैल–माटी तन से इकट्ठी होती है। तन के पुरूषार्थ से जो भी मैल–माटी बनती है। उस मैल–माटी से जो रचना रची गई उसका नाम रखा जाता है गणेश।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

गण माना समूह, देवताओं का समूह और एश माना उनको ईशना करने वाला, उनके ऊपर कन्ट्रोल करने वाला। माने देवताओं का मुखिया गणेश को बनाय दिया। सीढ़ी के चित्र में कहीं गणेश का चित्र दिखाया है?
जिज्ञासुः नहीं दिखाया।

Time: 01.21-09.22
Student: And Baba, it is a path of *bhakti*, [it is said that] Kali prepares Ganesh with her dirt. What does it mean in knowledge?
Baba: It means, does the incorporeal Supreme Father Supreme Soul Shiva, the point of light enter a male or a female? He enters a male body. So, the creation that He creates directly through that male body…. and He doesn't enter into a female body at all. Does He? He doesn't. Can the souls of Mamma and Baba enter that female body or not? They can. So, do those who enter belong to the second grade or the first grade? They belong to the second grade. So, does Parvati, in whose body the soul of Brahma or the soul of the junior mother (*choti mamma*) enters have body consciousness or not? Shiva does not have body consciousness, but all the other human beings have body consciousness to some extent even now. This is why, whatever dirt was collected by Parvati from her body while bathing, whatever dirt emerges from the *purusharth* made through the body, and the creation that was created with that dirt is named Ganesh. *Gan* means group, a group of deities and *Esh* means the one who controls them. It means that Ganesh was made the head of the deities. Has the picture of Ganesh been shown anywhere in the picture of the Ladder?
Student: He has not been shown.

बाबाः नहीं दिखाया? दिखाया तो है। सीढ़ी के चित्र में जब द्वापर युग के बाद कलियुग की शुरूआत होती है पूजा करने की तो किसकी पूजा दिखाई है? गणेश की पूजा दिखाई है। ये गणेश की मूर्ति का निर्माण किया ही जाता है कलियुगी शूटिंग के शुरूआत में। गणेश ऐसे देहाभिमानी देवता हैं जो हाथी की तरह उनका सारा देह दिखाया गया है। तो जो पार्वती ने रचना रची सिर्फ अपने द्वारा वो निवृत्तिमार्ग की रचना हो गई या प्रवृत्ति मार्ग की रचना हुई? हँ? शिव बाप भले प्रवेश करते हैं पुरूष तन में लेकिन कहते हैं कि ज्ञान कन्याओं, माताओं के मुख से सुनाया जाना चाहिए। मैं जो ज्ञान सुनाता हूँ, वो किसके मुख से सुनाया जाना चाहिए? कन्याओं, माताओं के मुख से। तो प्रवृत्तिमार्ग हो गया या निवृत्तिमार्ग? सुनाता है पुरूष तन से लेकिन उसका उपयोग होना चाहिए किस मुख से? गौ मुख से। गंगा निकलती है ज्ञान की तो गौ के मुख से ज्यादा पवित्र जल निकलता है या गंगोत्री से ज्यादा पवित्र जल निकलता है या हरिद्वार में जब गंगा आती है मैदान में तब ज्यादा पवित्र जल होता है? गौ मुख से बहुत पवित्र जल होता है तो ये सब गौएँ बैठी हुई हैं। गौओं में मुख्य गौ कौनसी है जो पवित्र ही पवित्र ज्ञान सुनाती है?
जिज्ञासुः कामधेनु।

Baba: Has it not been shown? It has indeed been shown. In the picture of the Ladder, when the worship in the Iron Age begins after the completion of the Copper Age, whose worship has been shown? Ganesh's worship has been shown. This idol of Ganesh is created only in the beginning of the Iron Age shooting. Ganesh is such a body conscious deity that his entire body has been shown like an elephant. So, was the creation that Parvati created, [the creation that was created] all by herself a creation of the path of renunciation or of the path of household? Although the Father Shiva enters a male body, but He says, the knowledge should be narrated through the mouth of the virgins [and] mothers. Through whose mouth should the knowledge that I narrate be narrated? Through the mouth of virgins [and] mothers. So, is it

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

the path of household or the path of renunciation? He does narrate it through a male body, but through whose mouth should it be used? Through the mouth of a cow (*gau mukh*). When the Ganga of knowledge emerges, does purer water emerge through the mouth of the cow, from Gangotri[1] or is it purer when it comes to Haridwar in the plains? The water is purer when it emerges from the *gau mukh*; so all these are cows who are sitting. Who is the main cow among all the cows, who narrates only the pure knowledge?
Student: Kamdhenu.

बाबाः कामधेनु वो तो फिर भी; कामधेनु जो दिखाई गई है वो कामधेनु के लिए तो फिर भी कहते हैं सब कामनाओं मनोकामनाओं की पूर्ति करनेवाली है। कौन? ऐसी कौनसी देवी है जो सब मनोकामनाओं की पूर्ति करती है? अरे! भूल गए सारा ज्ञान?
छोटी बच्चीः जगदम्बा।

Baba: Kamdhenu is still…. As regards Kamdhenu, it is said that she fulfils all the desires. Who? Which is the *devi* (female deity) who fulfills all the desires?
Student said something.
Baba: Arey! Did you forget the entire knowledge?
A Small girl: Jagadamba.

बाबाः जगदम्बा। छोटी–2 बच्चियाँ बड़े–2 धर्म गुरूओं को बाण मारेंगी। जगदम्बा ऐसी है जो सब मनोकामनाओं की पूर्ति करती है। सब मनोकामनाओं में अच्छी भी और बुरी दोनों आ जाती हैं। जो जगदम्बा और जगदम्बा की भुजाएँ हैं, मददगार वो सब मनोकामनाओं की पूर्ति कर देती हैं। चाहे कोई अच्छी मनोकामना करें चाहें कोई बुरी मनोकामना लेकर के आये। 'अच्छा ले जाओ'। तो ये अच्छी बात है या बुरी बात है? अच्छी, बुरी सब प्रकार की मनोकामनायें पूरी कर देना ये अच्छी बात है या बुरी बात ? जानवर बुद्धि की बात है या मानवीय बुद्धि की बात है? ये जानवर बुद्धि की बात है। लेकिन लक्ष्मी सिर्फ एक ही मनोकामना पूरी करती है। कौनसी? ज्ञान धन देती है। वो ज्ञान धन भी उसका दिया हुआ नहीं है। किसका दिया हुआ है? एक बाप का दिया हुआ है। तो ज्ञान धन की पूर्ति करती है। परंतु यहाँ तो ज्ञान से गणेश का निर्माण नहीं होता है। गणेश का निर्माण काहे से होता है? देहअभिमान की मिट्टी से गणेश का निर्माण होता है। तो गणेश जानवरियत वाला देवता है। इसलिए जानवर का मुख दिखाया गया है। जो पार्वती है वो रचना है या रचयिता है?
जिज्ञासुः रचयिता है।

Baba: Jagadamba. Very good! Small daughters will shoot the arrows [of knowledge] at the big religious gurus. Jagadamba is such that she fulfills all the desires. 'All the desires' include good as well as bad ones. Jagadamba and her arms, her helpers fulfil all the desires, whether someone has good desires or comes with bad desires. "*Accha*, you may have it". So, is this something good or bad? Is it something good or bad to fulfil all the desires including good and bad ones? Is it an animal like intellect or a human intellect? It is about an animal like intellect. But Lakshmi fulfils only one desire. Which one? She gives the wealth of knowledge. Even that wealth of knowledge has not been given by her. Who gives it? It is given by the one Father. So, she fulfills [the requirement for] the wealth of knowledge. But here Ganesh is not created through knowledge. How is Ganesh created? (Baba is showing the process through actions.) Ganesh is created through the mud of body consciousness. So,

[1] The place where the river Ganges originates

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Ganesh is the deity with an animal instinct. This is why he has been shown to have an animal's head. Is Parvati a creation or a creator?
Student: She is a creator.

बाबाः रचयिता है? पार्वती किसीकी रचना नहीं है? किसकी रचना है?
जिज्ञासुः शिव की।
बाबाः शिव? शिव तो बिन्दी का नाम है। वो तो न रचयिता है न रचना है। (किसीने कहा–शंकर।) हाँ, शिव जिसमें प्रवेश करता है वो शंकर की रचना पार्वती है। तो रचना में ज्यादा पावर होती है या रचयिता में ज्यादा पावर होती है? रचना भी अगर श्रीमत पर निर्माण करेगी, रचना रचेगी तो उस रचना में पावर होगी। अगर मन मत के आधार पर रचना रचेगी 'हमारी मैल माटी जो निकले देहाभिमान की उससे हम बनाके तैयार कर देंगे। वो हमारी सुरक्षा करेगा।' पार्वती ने गणेश की मूर्ति किसलिए बनाई? कि हमारी सुरक्षा करे। अरे! देहाभिमानवाला सुरक्षा करेगा या आत्माभिमानवाला सुरक्षा करेगा? आत्माभिमानवाला सुरक्षा करेगा ना।

Baba: Is she a creator? Is Parvati not a creation of anyone? Whose creation is she?
Student: Of Shiva.
Baba: Shiva? Shiva is the name of a point. He is neither a creator nor a creation. (Someone said: Shankar.) Yes. Parvati is the creation of Shankar, the one in whom Shiva enters. So, does a creation have more power or does a creator have more power? If she creates the creation on the basis of *shrimat*, then it will be powerful. If she creates [the creation] on the basis of *manmat*[2] [thinking:] "I will make a creation through the mud of my body consciousness that emerges. He will safeguard me." Why did Parvati create the idol of Ganesh? So that he safeguards her. *Arey*! Will someone who is body conscious safeguard her or will someone who is soul conscious safeguard her? The one who is soul conscious will safeguard her, will he not?

समय–9.25–15.10
जिज्ञासुः बाबा मैंने तो सुना था कि पीछे जाके 4½ लाख आत्मा, 4½ लाख को जन्म देंगे। 9 लाख सतयुग में होगा। लेकिन एक मुरली में, एक कैसेट में सुना था – पीछे जाकर शरीर नहीं छोड़ने वाले सिर्फ 50 हजार ही हैं।
बाबाः हाँ। जो 4½ लाख हैं, जो नई दुनिया में जन्म देने वाले माँ–बाप 4½ लाख होंगे वो बीज होंगे ना। वो एक धर्म के बीज होंगे या सब धर्मों के बीज होंगे?
जिज्ञासुः एक धर्म के बीज होंगे।
बाबाः एक धर्म के बीज होंगे?
सभी : सब धर्मों के बीज होंगे।
बाबाः सब धर्मों के बीज होंगे। 500 करोड़ की दुनिया में जितने धर्म फैले हुए हैं सब के बीज कौनसी पार्टी में हैं?
जिज्ञासुः एडवान्स पार्टी में।

Time: 9.25-15.10
Student: Baba, I had heard that in the end the 4 ½ lakh (450 thousand) souls will give birth to the 4 ½ lakh [children]. There will be nine lakh (population) in the Golden Age. But in a Murli, in a cassette I heard that in the end, those who do not leave their bodies are just 50, 000.

[2] Opinion of one's own mind

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Yes, as regards the 4 ½ lakh, the 4 ½ lakh parents who give birth [to children] in the new world will be the seeds, will they not? Will they be the seeds of one religion or will they be the seeds of all the religions?
Student: They will be the seeds of the one religion.
Baba: Will they be the seeds of one relgion?
All the students: They wil be the seeds of all the religions.
Baba: They will be the seeds of all the religions. The seeds of the religions that are spread all over the world of the 500 crore (5 billion) [souls] are present in which party?
Student: In the advance party.

बाबाः एडवान्स पार्टी में। वो बीज सब धर्मों के हैं। इसका मतलब सूर्यवंश से लेकर के और नास्तिक धर्म, आर्यसमाजी वग़ैरह लास्ट धर्म उनके भी बीज कहाँ हैं? यहाँ हैं। सबसे ज्यादा लंबी आयुवाले कौन होंगे? सूर्यवंशी बीज ज्यादा लंबी आयु वाले होंगे या आर्यसमाजी और नास्तिकों के बीज ज्यादा लंबी आयु वाले होंगे? सूर्यवंशी ज्यादा लंबी आयु वाले होंगे। तो जब विनाश होगा तो सबसे लास्ट में शरीर कौन छोडेंगे? जो सबसे लास्ट में शरीर छोडेंगे उनकी लंबी आयु हो जायेगी। वो कौन से धर्म के होंगे? सूर्यवंशी। और जो पहले ही शरीर छोड देंगे विनाश के टाईम पर, विनाश होने से पहले ही शरीर छोड देंगे तो कमजोर धर्म के हैं बीज या पावर फुल धर्म के बीज हैं? कमजोर धर्म के बीज हो गये। तो वो पहले ही शरीर छोड देंगे। चाहे वो चंद्रवंशी हों, चंद्रवंशीयों का हेड जगदम्बा ही क्यों न हो। चाहे इस्लामवंशियों के बीज हों, चाहें किश्चियन धर्म के बीज हों, चाहे कोई भी दूसरे धर्म के बीज क्यों न हों उनको शरीर पहले छोडना पडेगा। जो बचेंगे पक्के–2 अंत तक विनाश को इन आँखों से देखेंगे; वो 4½ लाख में 9 हिस्से कर दो। एक हिस्से की संख्या कितनी हुई? 50 हजार। वो होंगे असल सूर्यवंशी जो अंत तक विनाश को इन आँखों से देखेंगे। जिसने अंत किया उसने सब कुछ किया। वो हैं अनादि, अविनाशी बीज इस मनुष्य सृष्टि के। हाँ, उनको सहयोग देने वाले भी निकलते हैं। सहयोगी कहे जायेंगे। असिस्टेन्सी में रहने वाले कहे जावेंगे। वो किधर से निकलते हैं?
जिज्ञासुः विजय माला से।

Baba: In the advance party. They are the seeds of all the religions. It means, where are the seeds of [the religions] beginning from the Sun dynasty to the atheist religion, Arya Samajis etc., the last religions? They are here. Who will be the ones with the longest life span? Will the *Suryavanshi* seeds have longer life span or will the seeds of the Arya samajis and atheists have longer life span? The *Suryavanshis* will have a longer life span. So, when the destruction takes place, who will leave their body in the very last phase? Those who leave their bodies in the last period will have a longer life span. To which religion will they belong? *Suryavanshi.* And those who will leave their bodies before itself, at the time of destruction, those who will leave their bodies even before the destruction takes place, are they the seeds of the weaker religions or of the powerful religions? They are the seeds of the weak religions. So, they will leave their bodies before time. Whether they are the *Chandravanshis*, or the head of the *Chandravanshis*, i.e. Jagdamba. Whether they are the seed of the Islam dynasty, the seeds of Christianity [or] the seeds of any other religion, they will have to leave their bodies before time. The firm ones who will survive till the end will see the destruction through these eyes. Divide those 4 ½ lakhs into 9 parts. What is the number [of the souls] in one part? 50 thousand. They are the true *Suryavanshis* who will see the destruction till the end through these eyes. The one who completes the task does everything. They are the eternal, indestructible seeds of this human world. Yes, those who help them also emerge.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

They will be called the helpers (*sahyogi*). They will be called the ones who remain in their assistancy. From where do they emerge?
Student: From the *Vijaymala*.

बाबाः विजयमाला से। तो विजयमाला से भी होंगे। वो सहयोगी बनते हैं। इसलिए उन 50 हजार में स्त्री चोले भी होंगे और पुरूष चोले भी होंगे।
जिज्ञासुः बाबा 4½ लाख में चंद्रवंशी, इस्लामवंशी सब होगा ना ?
बाबाः 4½ लाख में सब धर्म के बीज होंगे ही। (किसीने कुछ कहा।) हाँ । वो सतयुग के पहले जन्म में अंत तक; सतयुग के पहले जन्म का अंत होगा ना तब तक बच्चों को जन्म देते रहेंगे। ताकि 4½ लाख से कितने पैदा होंगे?
जिज्ञासुः 4½ लाख पैदा होंगे।
बाबाः 4½ लाख पैदा होंगे। तो कितनी आबादी हो जाएगी पहले जन्म में? 9 लाख आबादी हो जाएगी पहले जन्म के अंत में। सतयुग के पहले जन्म के अंत में कितनी आबादी हो जाएगी? 9 लाख आबादी हो जाएगी।
दूसरा जिज्ञासुः वो कहना बार–2 यह चाह रही है कि बाबा ने एक कैसेट में बोला कि लास्ट में 4½ लाख रहेंगे; सवा दो लाख, सवा दो लाख जैसे।
बाबाः लास्ट माना सतयुग के पहले जन्म के लास्ट में।
जिज्ञासुः जन्म देने के निमित्त जो होंगे।
बाबाः हाँ जी, हाँ जी।

Baba: From the *Vijaymala*. So, they will be from the *Vijaymala* as well. They become helpers. This is why there will be females as well as males among those fifty thousand.
Student: Baba everyone like the *Chandravanshis,* those of the Islam dynasty will be included among the 4 ½ lakhs, will they not?
Baba: There will definitely be the seeds of all the religions among the 4 ½ lakhs. In the first birth of the Golden Age, till the end; there will be the end of the first birth of the Golden Age, will it not, they will continue to give birth to children till that time so that the 4 ½ lakh will give birth to how many? Hm?
Student: 4 ½ lakhs will be born.
Baba: 4 ½ lakhs will be born. So, what will be the population in the first birth? The population will be 9 lakhs by the end of the first birth. What will be the population by the end of the first birth of the Golden Age? The population will be 9 lakhs.
Another Student: What she wants to say is, Baba has said in a cassette that there will be 4 ½ lakh [souls] in the last period; 2.25 lakhs each.
Baba: Last means, at the last period of the first birth of the Golden Age.
Student: Those who will be instruments in giving birth.
Baba: Yes, yes.

दूसरा जिज्ञासुः तो बोल रही है अभी एक कैसेट में ये भी सुन लिया 50 हजार ही बचेंगे।
बाबाः 50 हजार वो बचेंगे जो शरीर अपना कंचन काया बना लेंगे।
दूसरा जिज्ञासुः तो बाकी वाले क्या करेंगे? इसका कहने का मतलब था।
बाबाः बाकी वाले शरीर छोड़ जायेंगे, बरफ में दब जायेंगे। बरफ में दबे रहेंगे। हो सकता है कि एक सौ साल भी शरीर बरफ में दबे रहें। जैसे–2 ऊपर से आत्माएँ प्रवेश करती जायेंगी वैसे वो शरीर भी निकलते जायेंगे।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः एक ही आत्मा है जो राम बाप की आत्मा है वो विनाश नहीं देखेगा। वो महाकाल है, कालों का काल महाकाल है ना जो....
बाबाः हाँ। कम से कम बेहोश तो हो ही जायेंगे और दूसरे।
दूसरा जिज्ञासुः वो एक ही सेकन्ड के लिए।
बाबाः हाँ जी।
दूसरा जिज्ञासुः बाकी सब नंबरवार।
बाबाः हाँ जी– 2
दूसरा जिज्ञासुः लेकिन 4 लाख जो हैं वो धीरे–2 आयेंगे।
बाबाः हाँ जी।

Student: So, now she is saying that she has heard in yet another cassette that only 50 thousand will survive.
Baba: 50 thousand survivors will be those who make their bodies disease free.
Student: So, what will the remaining ones do? This is what she wants to say.
Baba: The remaining ones will leave their bodies. They will be buried under ice. They will remain buried under ice. It is possible that they may remain buried for even one hundred years. As the souls enter into them from above, those bodies will also go on coming out [of ice].
Student: There is only one soul, the soul of the father Ram who will not be destroyed. He is *Mahakaal*[3], he is the death of deaths, the great death, isn't he?
Baba: Yes. The others will at least lose consciousness.
Student: Just for a second.
Baba: Yes.
Student: The rest are number wise (according to their ranks).
Baba: Yes, yes.
Student: But four lakhs will come gradually.
Baba: Yes.

समय–18.10–21.10
जिज्ञासुः बाबा सतयुग में कोई कपड़े नहीं पहनते हैं। इसका क्या बताया?
बाबाः जो आत्मा है देवताओं की आत्मा वो अपन को आत्मा समझते हैं कि देह समझते हैं? (किसीने कहा–आत्मा।) अभी हम यहाँ अपन को देह समझते हैं तो अपने को, देहभान को ढांकने के लिए जरूरत पड़ती है। वहाँ देहभान होगा ही नहीं। क्या समझेंगे अपने को? आत्मा समझेंगे। तो देह ही वस्त्र है। आत्मा का वस्त्र क्या है वहाँ? देह ही वस्त्र है। वहाँ कोई ऐसा काम ही नहीं करेंगे जिसमें मुँह छुपाना पड़े। देहाभिमान वाला कोई काम करेंगे क्या? काम ही नहीं करेंगे। तो वस्त्र पहनने की क्या दरकार?

Time: 18.10-21.10
Student: Baba, nobody wears clothes in the Golden Age. What does it mean?
Baba: Do the souls of the deities consider themselves to be souls or bodies? (Someone said: soul.) Now here we consider ourselves to be bodies; so, we need to cover ourselves, cover our body consciousness. There will not be any body consciousness there at all. What will we consider ourselves to be? We will consider ourselves to be souls. So, the body itself is the cloth. What is the cloth of the soul there? The body itself is a cloth. There nobody will perform such a task that they have to hide their face. Will they perform any task of body

[3] The great death

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

consciousness? You will not perform [such] actions at all. Then, what is the need to wear clothes?

जिज्ञासुः बाबा, पहले–2 भी लोग कपड़े नहीं पहनते थे। माना हजारों साल के हिस्ट्री में भी आदिवासी लोग थे ना वो भी तो कपड़े नहीं पहनते थे । किताब में तो लिखा है हम लोग सब बंदर की संतान थे। आदमी पहले बंदर था ना, पूंछ थी उसकी। वो कपड़ा नहीं पहनते थे। तो क्या मनुष्य उसकी संतान हैं क्या?
बाबाः ये तो डार्विन थ्योरी है। एक डार्विन बड़ा विद्वान हुआ था, बड़ा साइन्टिस्ट, वैज्ञानिक। उसने ये थियोरी निकाली रिसर्च करके कि मनुष्य पहले बंदर था। बाद में धीरे–2 उसकी पूंछ मिट गई और बंदर से आदमी बन गया। लेकिन बाद वाले जो वैज्ञानिक आये उन्होंने इस` थियोरी को रिसर्च करके काट दिया। ये थियोरी गलत है। मनुष्य पहले बंदर नहीं था। जैसे बाबा ने इस थियोरी को काट दिया। बाबा क्या कहते हैं? बंदर था या बंदर बुद्धि था? बंदर बुद्धि था। मनुष्य कभी बंदर नहीं था। सृष्टि के आदि काल में तो मनुष्य ही थे। मनुष्य सदैव मनुष्य ही होता है। कभी जानवर का जन्म नहीं लेता है। तो ये थियोरी गलत है कि मनुष्य पहले बंदर था, नंगा रहता था। नहीं। वो देहभान के नंगे होने की बात है। आत्माभिमानी थे। इस आधार पर नंगे थे। क्योंकि समझते ही थे अपने को क्या? क्या समझते थे? आत्मा। जब आत्मा ही है। तो देह याद रखना जरूरी है क्या? देहरूपी वस्त्र जैसे है नहीं।

Student: Baba, people did not wear clothes initially (i.e. in the beginning of the history) either. I mean to say there were nomads in the history of thousands of years, weren't they? They did not used to wear clothes either, did they? It has been written in the books that we were the progeny of monkeys. Earlier, man was a monkey, wasn't he? He had a tail. They did not used to wear clothes. So, are human beings their progeny?
Baba: This is Darwins's theory. There was a big scholar, a big scientist named Darwin. He did research and evolved a theory that a human being was a monkey in the past. Later on, gradually his tail vanished. And he transformed from a monkey to a human being. But the latter scientists negated this theory through their research. [They said:] This theory is wrong. A human being was not a monkey earlier. Just like Baba has cut (i.e. negated) this theory. What does Baba say? Was a human being a monkey or did he have a monkey like intellect? He had a monkey like intellect. A human being was never a monkey. In the beginning of the world there were human beings only. A human being is always a human being. He is never born as an animal. So, this theory is wrong that human being was a monkey earlier, thay he used to remain naked. No. It is about being naked through body consciousness. They were soul conscious. They were naked on this basis because what did they consider themselves to be? What did they consider? Souls. When we are souls is it necessary to remember the body? It is as if the cloth like body does not exist at all.

समय–21.17–22.40
जिज्ञासुः बाबा ये 5000 वर्ष का रीपिटेशन साइकल है ना।` कितनी बार हो चुका है ये रिपीटेशन साइकल?
बाबाः फिर वो ही बात। अनादि सृष्टि है, अनादि आत्माएँ हैं, अनादि परमपिता परमात्मा है या आदि होने वाला है?
जिज्ञासुः अनादि है।
बाबाः ये तो अनादि है। ऐसे ही चलता रहा है। ऐसे ही चलता रहेगा। पांच तत्व इनकी कभी आदि नहीं होती। पांच तत्व तो सदैव हैं ही है। जैसे पांच तत्व पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि, आकाश इनका कभी विनाश नहीं होता। ऐसे ही आत्माओं का भी कभी विनाश नहीं होता। ये नहीं कह सकते ये कब बनाये गये? इनकी रचना नहीं की जाती । रूप परिवर्तन होता है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

आत्मा सतोप्रधान होती है। सतोप्रधान से तमोप्रधान बनती है। पांच तत्व सतोप्रधान होते हैं। सतोप्रधान से तमोप्रधान बनते हैं। बाकी ऐसे नहीं है कि आदि कब हुआ? जिसका आदि होगा उसका अंत भी होगा। तो टाइम भी बताना पड़े। वो समय की परिधि से परे हैं।

Time: 21.18-22.40
Student: Baba, this is a repetition cycle of 5000 years, isn't it? How many times has this repetition cycle taken place?
Baba: Again you are asking the same thing. Is the world eternal, the souls eternal, is the Supreme Father Supreme Soul eternal or do all of them have a beginning?
Student: They are eternal.
Baba: They are eternal. It has been going on like this [and] it will continue like this [in future]. There is no beginning for the five elements. The five elements are always there. Just as the five elements, the Earth, water, wind, fire, sky are never destroyed, similarly the souls are also never destroyed. It cannot be said when they were created. They are not created. Their form changes. A soul is *satopradhan*. It changes from *satopradhan* to *tamopradhan*. The five elements are *satopradhan.* They change from *satopradhan* to *tamopradhan*. As for the rest [the question] when did they they begin [cannot be asked]? The one who has a beginning will also have an end. Then, you will also have to tell [them] the time [when they began]. They are beyond the cycle of time.

समय–25.25–27.45
जिज्ञासुः बाबा, एक मुरली में बोला कि कन्या उस पति के घर हो या इस पति के घर हो। कन्या जो होती है अगर शादी करती है तो इस पति के घर जाए। या फिर शादी नहीं करती है तो उस पति घर जाए।
बाबाः बेहद के पति के घर जाए।
जिज्ञासुः बेहद के पति के घर जाए।
बाबाः हाँ।
जिज्ञासुः और अगर बिना शादी करे लौकिक घर में रहती है। फिर नौकरी, सर्विस नौकरी–टोकरी करती है। रोज मुरली भी सुनती है, रोज क्लास भी करती है .... तो फिर इसका क्या होगा?
बाबाः कुछ नहीं होगा। अपने घर में रह कर के गीतापाठशाला माँ–बाप के साथ चलाती है तो खराब क्या है? हाँ, ये मना किया है मुरली में कि कन्या को या तो अपने माँ–बाप के पास रहना है या तो पति के पास रहना है। ये नहीं कहा कि पति लौकिक है या अलौकिक । लेकिन रहना दो ही जगह है कन्या को तीसरी जगह कहीं भी इस दुनिया में सुरक्षा नहीं है।
जिज्ञासुः वही।
बाबाः वही तो ठीक है। लौकिक घरों में भले रहे माँ–बाप के पास और गीतापाठशाला चला रही है तो खराब क्या है?

Time: 25.25-27.45
Student: Baba, it has been said in a Murli that a virgin should stay either at that (*lokik*) husband's home or this (*alokik*) husband's home. If a virgin gets married, she should go to the home of this (*lokik*) husband. Or if she is not married, she should go to the home of that (*alokik*) husband.
Baba: She should go the home of the unlimited husband.
Student: She should go the home of the unlimited husband.
Baba: Yes.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: And if she does not get married and lives at the *lokik* home, and then, if she does a job, service, if she also listens to the murli daily, attends the class daily….. Then what will be her fate?
Baba: Nothing will happen. What is wrong if she lives at home and runs the *Gitapathshala* along with her parents? Yes. It has been said in the murli that a virgin should either live with her (*lokik*) parents or with her husband. It has not been mentioned whether the husband is *lokik* or *alokik*. But a virgin should stay only at one of the either places. There is no safety [for her] at any third place in the world.
Student: Exactly.
Baba: That is correct. If she lives with her parents at her *lokik* home and runs a *gitapathshala,* then what is wrong in it?

जिज्ञासुः न दुकान करना है या सर्विस करना है, नौकरी करना है फैक्टरी में जाना...?
बाबाः दुकान–वुकान करना ये धंधा–धोरी करने के लिए बाबा ने मना किया कन्याओं, माताओं के लिए। कन्याएँ, माताएँ नौकरी करें, धंधा करें, दुकान चलाए ये श्रीमत के बर्खिलाफ है और चलना भी बर्खिलाफ है और चलाने वाले भी बर्खिलाफ हैं। उसकी सजा खायेंगे धर्मराज की। अभी मजा ले लें। बाद में पता चलेगा।
जिज्ञासुः बाद में सजा मिलेगा।
बाबाः हाँ, जी। कन्या अगर समझदार है तो उसकी भी गलती है। बच्चा बुद्धि है तो थोड़ी गलती है। ऐसे नहीं जो बच्चे होते हैं अगर हत्या कर दें तो उनको सजा नहीं दी जाती है सरकार में। दी जाती है या नहीं?
जिज्ञासुः दी जाती है।
बाबाः दी जाती है। और जो बालिग बुद्धि हैं वो अगर हत्या करते हैं तो उनको पूरी सजा दी जाती है। तो ऐसे ही अगर बालिग बुद्धि है तो पूरी सजा मिलेगी। नाबालिग बुद्धि है, कम समझदार है, ज्ञान को पूरा नहीं समझा है तो सजा तो फिर भी थोड़ी बहुत मिलेगी। पद भी थोड़ा बहुत नीचा हो जाएगा। किसका?
जिज्ञासुः उस कन्या का जो समझदार है।
बाबाः बच्चे का।

Student: What if she runs a shop or does a service or job or if she goes to a factory…?
Baba: Baba has prohibited the virgins and mothers from running shops or doing businesses. It is against the shrimat for the virgins and mothers to do a job or business or to run shops. It is against the shrimat to do such things. And even those who make them work are acting against shrimat. They will suffer punishments for it through Dharmaraj. They can enjoy now. They will know it later on.
Student: They will get punishments later on.
Baba: Yes. If the virgin is intelligent, it is her mistake as well; if she has a child like intellect, then it is a less mistake. It is not that if a child murders someone, then he is not given any punishment by the government. Is he given [a punishment] or not?
Student: He is given [punishments].
Baba: He is punished. And those who have a mature intellect; if they murder someone then they get the full punishment. So, similarly, if she has a mature intellect, she will get the full punishment. If she has an immature intellect, if she is less intelligent, if she has not understood the knowledge completely, she will still get some punishment. The post will also be lowered to some extent. Whose?
Student: Of that virgin who is intelligent.
Baba: Of a child.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समय–27.46–30.10
जिज्ञासुः जो इन्डिया का
यू.पी. राज्य है ना। उस जगह पर ज्यादा धार्मिकस्थल मिला है।
बाबाः धार्मिकस्थल ज्यादा है।
जिज्ञासुः मथुरा, बृन्दावन।
बाबाः हाँ जी, हाँ जी, भगवान की जन्म भूमी यू.पी. में ही गाई हुई है।
जिज्ञासुः ज्यादा होने का कारण क्या है?

Time: 27.46-30.10
Student: In the Indian state of U.P. more religious sites have been found.
Baba: There are more religious places.
Student: [For example,] Mathura, Brindavan.
Baba: Yes. Yes. Only UP is famous as the birth place of God.
Student: What is the reason for a large number [of such places] (in U.P.)?

बाबाः उसका कारण ये हैं कि भारत का विदेश है दक्षिण भारत। वो विदेशी बाप को प्रत्यक्ष करते हैं। लेकिन विदेशियों की भाषा, विदेशियों की चाल चलन, विदेशियों की रीति, रसम, रिवाज वो सब विदेशी होते हैं। इसलिए बाप को इतनी गहराई तक नहीं पहचान पाते । और भारतवासियों की उत्तर भारत वालों की? भाषा हिन्दी, चाल, चलन वो सब देवताओं की जो चाल, चलन है उसके जानकार है। रीति, रसम, रिवाज भी भक्तिमार्ग के फॉलो करते हैं वो ही जो देवताओं के थे। भले दूसरे रूप में। तो वो जल्दी ही राज को समझ जाते हैं शास्त्रों के। और भगवान के असली स्वरूप को भी शास्त्रों के आधार पर जल्दी कैच कर लेते हैं। इसलिए अभी ये ज्ञान; बेसिक ज्ञान कहो तो 70 साल हो गई। और एडवान्स ज्ञान कहो 25 और 8, 33 साल हो गया है। दक्षिण भारत वालों ने अभी भी बाप को प्रत्यक्ष नहीं कर पाया। और उत्तर भारत वाले लोग अभी निकले नहीं है। निकले हैं तो छोटे, छुटपुट। जब गंगा निकलेगी तो उसके पीछे–2 सारा भारत, उत्तर भारत निकल पडेगा। जो मुरली में बोला है– जब सन्यासी निकलेंगे तो तुम बच्चों की विजय हो जायेगी। तो वो होने वाली है।

Baba: The reason is that south India is the foreign land of India. Those foreigners (*videshis*) reveal the Father. But the language of the foreigners, their behavior, their rituals and traditions are all foreign. This is why they are unable to recognize the Father deeply. And what about the Indians, the north Indians? Their language is Hindi, as regards their behavior, they are aware of the behavior of the deities. The rituals and traditions that they follow in the path of *bhakti* is the same as that of the deities, although it is in a different form. So, they understand the secrets of the scriptures soon. And they also catch the true form of God on the basis of the scriptures. This is why now this knowledge; if we speak about the basic knowledge, 70 years have passed. And if we speak about the advance knowledge then 25+8, 35 years have passed. The south Indians have not been able to reveal the Father yet. And the north Indians have not yet emerged (in knowledge). If they have emerged, they are very few. When Ganga comes, then the entire north India will come with her. It has been said in the murli, when the *sanyasis* come then you children will gain victory.

समय–30.17–34.00
जिज्ञासुः बाबा, मथुरा का अर्थ .....
बाबाः जैसे दही होता है, जैसे कोई चीज़ होती है लिक्विड। और उसको यूँ मथा जाता है। उसको कहते हैं मथना। (किसीने कुछ कहा।) हाँ। जैसे मक्के का आटा बिखरने वाला होता है। उसमें लोच लाने के लिए उसको मथते हैं। जैसे तन्दूर की रोटी बनाई जाती है। वो

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

आटे को मथते हैं। तो मथना। मथना माना उसको रगडना। और उरा। मथ + उरा। दो शब्दों से मिल कर के बना है मथुरा। ये विकारी शब्द है। शास्त्रकार इसके अर्थ को अच्छी तरह से जानते हैं। तो कृष्ण ने कहाँ वास किया? कहाँ आक्रमण किया? कहाँ विजय प्राप्त की? बृन्दावन के ऊपर विजय प्राप्त की, बरसाने में विजय प्राप्त की, नंद गांव में विजय प्राप्त की, हमला किया या मथुरा में विजय प्राप्त की या हमला किया? कहाँ की बात है? बोलो। जमुना के इस पार या उस पार? (किसीने कुछ कहा।) हाँ। मथुरा में आया। इसका मतलब ये है कि जो जांघ है वो विषय वासना की सूचक है। जब मथी जाती है तो विषय वासना जागृत होती है। जांघ जब मथी जाती है तो चाहे पुरूष हो और चाहे स्त्री हो वासना तीव्र होती है या मध्यम होती है? तीव्र हो जाती है। कृष्ण ने वो कार्य कर के दिखाया। और मथुरा पर विजय प्राप्त कर दी। वो शिव की शक्तियाँ बन गई। विकारी नहीं बन गई। क्या बन गई? निर्विकारी इन्द्रियों वाली बन गई। सारा विषय वासना का जो कचड़ा था वो जैसे की पी लिया भगवान ने। जैसे कोई बीमारी बाहर निकाली जाती है। वैद्य लोग क्या करते हैं? बीमारी को पहचानते हैं और पहचान करके ऐसी दवाई देते हैं। जो अंदर का सारा कचड़ा बाहर आ जाता है।

Time: 30.17-34.00
Student: Baba, the meaning of Mathura….
Baba: For example there is curd, there is something liquid, then, it is churned like this (Baba showed the act of churning). That is called churning (*mathna*). (Someone said something.) Yes. For example the flour of maize is such that it spreads out. In order to make it malleable, it is kneaded. For example, *tandoor roti*[4] is prepared. They beat the kneaded flour. So, *mathna*[5] means to rub it. And '*ura*'. *Math+Ura*. The word 'Mathura' is made up of two words. This is a vicious word. The writers of the scriptures know its meaning well. So, where did Krishna live? Where did he attack? Where did he gain victory? Did he gain victory and attack Brindavan, Barsaana, Nandgaon or did he gain victory and attack Mathura? It is about which place? Tell me; is it on this side of the river Yamuna or on that side? Yes. He came to Mathura. It means that the thighs are indicative of lust. When they are rubbed, it creates the feeling of lust. When the thighs are rubbed, whether it is men or women, does lust increase sharply or does it remain medium? It becomes intense. Krishna performed that task. And he gained victory over Mathura. They became the *shaktis* of Shiva. They did not become vicious. What did they become? They became the ones having viceless organs. It is as if God drank all the garbage of vices. For example, a disease is made to come out (of the body). What do the *Vaidyas* (ayurvedic doctors) do? They recognize the disease and give such a medicine accordingly that all the inner garbage comes out.

समय–37.52–38.41
जिज्ञासुः बाबा जो ये मिनी मधुवन की बात है। अभी तक भारत में ही खुला हुआ है। ये मिनी मधुबन खोलने का भक्तिमार्ग में कोई यादगार है क्या बाबा? जैसे नेपाल में पशुपतिनाथ का मंदिर है। तो उस रीति से यहाँ भी एक मिनीमधुबन होना चाहिए।
बाबाः धूलावाड़ी में मिनी मधुबन खोलना चाहिए?
जिज्ञासुः धूलावाड़ी में नहीं है बाबा।
बाबाः नेपाल में। खुल जाएगा। थोड़ा टाईम लगता है।
जिज्ञासुः भक्तिमार्ग में इसका कोई यादगार है?

[4] Roti prepared in an earther oven
[5] To knead / beat

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः मधुबन यादगार नहीं है? वहाँ बृन्दावन में जाते हैं तो पंडे, पुजारी मधुबन दिखाते हैं कि नहीं?
जिज्ञासुः हाँ। दिखाते हैं।
बाबाः दिखाते हैं तो यादगार बनी हुई है।
जिज्ञासुः उसीके हिसाब से अभी संगम में भी....
बाबाः हाँ जी।

Time: 37.52-38.41
Student: Baba, as regards minimadhubans, so far they have been opened only in India. Baba, is there any memorial of the opening of minimadhubans in the path of *bhakti*? For example there is the temple of Pashupatinath in Nepal. So, that way there should be a minimadhuban here as well.
Baba: Should a minimadhuban be opened in Dhulawari?
Student: Not [only] in Dhulawari Baba.
Baba: In Nepal. It will be opened. It takes some time.
Student: Is there any memorial of this in the path of *bhakti*?
Baba: Is madhuban not the memorial? When people go there, to Brindavan,do the guides and priests show madhuban or not?
Student: Yes. They do show.
Baba: They show. So, its memorial has been made.
Student: According to that even in the Confluence Age…
Baba: Yes.

समय–38.41–44.50
जिज्ञासुः नेपाल में पशुपतिनाथ का मंदिर इतना बड़ा है तो वो भी मधुबन की यादगार होगी ना।
बाबाः बिल्कुल मधुबन का यादगार है। पशुपतिनाथ मंदिर। जो पशु हैं, पशुओं की तरह जिनकी आचरण है, पशु बुद्धि जैसे हैं, मनुष्यों जैसी बुद्धि नहीं चलाते हैं, मनन चिंतन मंथन नहीं करते हैं... जैसे पशु होते हैं आया आवेग और अपना काम कर दिया। बुद्धि चलाता है पशु? नहीं चलाता है। ऐसे पशुओं का पति। कौन दिखाया है मंदिर में? जहाँ–2 शिव के मंदिर होते हैं वो पशु का पति दिखाया जाता। कौन? बैल। वो बैल का पार्ट किसका है? ब्रह्मा बाबा। कहाँ बैठा हुआ है?
जिज्ञासुः सामने बैठा।
बाबाः सामने नहीं बैठा हुआ है। नाली के मुँह के सामने बैठा हुआ है। उसे नाली बहुत पसंद है।
जिज्ञासुः रास्ता में।
बाबाः हाँ। सबका रास्ता रोक के खड़ा हुआ है। सबको अनिश्चय बुद्धि बना रहा है। एडवान्स पार्टी में लोगों को अनिश्चय आ रहा है, उसका मूल कारण क्या है?
जिज्ञासुः देहभान ।

Time: 38.41-44.50
Student: The temple of Pashupatinath in Nepal is very big. So, that must also be a memorial of the madhuban, mustn't it?
Baba: Definitely it is a memorial of the madhuban. The Pashupatinath temple. Those who are animals (*pashu*), those who act like animals, whose intellect is like that of the animals, who do not use their intellect like human beings, who do not think and churn… For example there are animals. As soon as they get the instinct, they perform that task. Does an animal use its

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

intellect? It doesn't. Lord (*pati*) of such animals (*pashu*). Who has been shown in the temple? Wherever there are temples of Shiva, that lord of the animals is shown there. Who? The bull. Who plays the part of that bull? Brahma Baba. Where is he sitting?
Student: He is sitting in front (of the *Shivling*).
Baba: He is not sitting in the front. He is facing the mouth of the drain. He likes the drain very much.
Student: [He is sitting] in the way.
Baba: Yes. He is standing blocking everybody's path. He is making everyone lose faith. People in the advance party are losing faith; what is its root cause?
Student: Body consciousness.

बाबाः नहीं। अरे! ब्रह्माकुमारियाँ क्यों नहीं एडवान्स पार्टी में आ रही है?
जिज्ञासुः बैल।
बाबाः हाँ, वो बैल बीच में अडा हुआ है। वो बैल बुद्धि में बैठ गया। जो उनको क्लीयर होने नहीं देता ।
जिज्ञासुः ब्रह्मा बाबा ही हमारा सब कुछ है। ऐसे बताते हैं।
बाबाः सब कुछ ब्रह्मा बाबा ही है? माना शिवबाबा कुछ नहीं है?
जिज्ञासुः वो लोग ऐसे कहते हैं ना।
बाबाः तो ऐसे ही यहाँ भी है। पशुओं का पति भी है और उसको भी नाक में नकेल डालने वाला नाथ है। क्या? पशुओं का पति कौन हुआ? पशुपति कौन हुआ? अरे! अभी अभी तो बताया। सारी कहानी बताई।
जिज्ञासुः ब्रह्मा।
बाबाः ब्रह्मा बाबा। और उसका नाथ कौन हुआ? नाथ माना स्वामी। शिवबाबा। शंकर के द्वारा। कहते हैं कि शंकर ने सवारी की बैल के ऊपर और शंकर के ऊपर सवारी करता है शिव। तो अभी किसके ऊपर किसकी सवारी है?
जिज्ञासुः शंकर के ऊपर शिव की सवारी।

Baba: No. Arey! Why aren't the Brahmakumaris coming to the advance party?
Student: The bull.
Baba: Yes. That bull is standing in the way. That bull has sat in their intellect. He does not allow them to [understand it] clearly.
Student: Brahma Baba is everything for us. They say so.
Baba: Brahma Baba is everything for us? Does it mean Shivababa is nothing for us (them)?
Student: Those people say so.
Baba: So, it is like this even here. He is the lord of the animals, and there is also a lord who controls him. What? Who is the lord of the animals? Who is Pashupati? Arey! Just now it was told. The entire story was narrated.
Student: Brahma.
Baba: Brahma Baba. And who is his lord (*naath*)? *Naath* means lord. Shivbaba. Through Shankar. It is said that Shankar rides on the bull and Shiva rides on Shankar. So, who is riding on whom now?
Student: Shiva rides on Shankar.

बाबाः अरे! शंकर सवारी करता है। छलांग लगाके, हाय जम्प लगाके बैल के ऊपर। बिना हाय जम्प लगाये सवारी कर लेगा क्या? नहीं करेगा ना। एक होता है पुरूषार्थ चलने का, एक होता है पुरूषार्थ दौड़ने का, एक होता है पुरूषार्थ उड़ने का और एक होता है हाय जम्प लगाने का। तो सबसे ऊँचा पुरूषार्थ कौनसा है?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः हाय जम्प लगाना।
बाबाः हाय जम्प लगाना। तो शंकर जो है वो बैल के ऊपर कब सवारी कर सकेगा? हाय जम्प लगायेगा तब सवारी करेगा या साधारण चाल का पुरूषार्थ करेगा तब सवारी करेगा?
जिज्ञासुः हाय जम्प लगायेगा।
बाबाः हाय जम्प लगायेगा तो सवारी करेगा। तो अभी किसके ऊपर किसकी सवारी है? अभी बैल के ऊपर तो सवारी नहीं दिखाई पड़ रही है। दिखाई पड़ रही है? अभी भी गीता का भगवान कौन है? कृष्ण ही गीता का भगवान है। माना कृष्ण वाली आत्मा अभी अपने को ही गीता का साकार भगवान समझती है।
जिज्ञासुः कृष्ण को ही समझती है।

Baba: Arey! Shankar jumps and with a high jump he rides on the bull. Can he sit on it without making a high jump? He cannot, can he? One kind of *purusharth* is like walking. One kind of *purusharth* is like running. One kind is like flying and one kind is like making a high jump. So, which is the highest *purusharth*?
Student: To make a high jump.
Baba: To make a high jump. So, when will Shankar be able to ride on the bull? Will he ride [on the bull] when he makes a high jump or will he ride when him when he makes *purusharth* in an ordinary way?
Student: When he takes a high jump.
Baba: He will ride him when he takes a high jump. So, who is riding on whom now? Now he is not seen to be riding on the bull. Is he seen to be riding him? Who is the God of the Gita now? Krishna is the God of the Gita. It means that the soul of Krishna considers itself to be the corporeal God of the Gita at present.
Student: They consider only Krishna [as God of Gita].

इतना ही समझती है और बेसिक वाले भी ऐसा ही समझती है। लेकिन ऐसा भी समय आएगा जो इस पॉईन्ट पर जिस पर विजय होनी है वो पॉईन्ट हल हो जावेगा। सारी दुनिया समझेगी गीता का भगवान कृष्ण उर्फ दादा लेखराज नहीं है। गीता का भगवान, गीता पति भगवान शिव शंकर भोले नाथ है प्रैक्टिकल जीवन में। और वो हाय जम्प लगायेग तब ही होगा। माना कृष्ण वाली आत्मा अभी शंकर के ऊपर सवार हो जाती है। कि शंकर बैल के ऊपर सवार है? कौन किसके ऊपर सवार है?
जिज्ञासुः बैल शंकर के ऊपर सवार है।
बाबाः हाँ। जो मुरली में बाबा बोलते हैं। क्या? ये ब्रह्मा बीच में इन्टरफियर करके बोलता है। क्या? ये ब्रह्मा, शिवबाबा जब वाणी चलाते हैं ना, तो बीच, बीच में ब्रह्मा भी क्या करते हैं? इन्टरफियर करके बोलते हैं। तो अभी भी ब्रह्मा की सोल बीच में इन्टरफियर करके बोलते हैं या नहीं बोलती हैं? बोलती है। जब समझ जावेगी कि ये हमारा बाप आया हुआ है तो इन्टरफियर करना बंद हो जावेगा। बैल की सवारी है शंकर के ऊपर। लेकिन ऐसा भी समय आवेगा कि बैल के ऊपर शंकर की ही सवारी होगी और शंकर के ऊपर शिव की सवारी देखने में आवेगी। ब्रह्मा बीच में इन्टरफियर करते देखने में नहीं आवेगा।

Baba: It (soul of Krishna) understand only this much. And those who follow the basic knowledge also think the same. But such a time will also come that the point on the basis of which we have to gain victory, that point will be solved. The entire world will understand that the God of the Gita is not Krishna alias Dada Lekhraj. The God of the Gita, the husband of the Gita is Shiva Shankar Bholenath in practical life. And that will happen only when he takes a high jump. It means that at present the soul of Krishna rides on Shankar. Or does Shankar ride on the bull? Who rides on whom?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: The bull is riding on Shankar.
Baba: Yes. For which Baba says in the murli. What? This Brahma interferes and speaks in between. What? When Shivbaba narrates the *vani*, this Brahma; what does Brahma also do in between? He interferes and speaks. So, does the soul of Brahma interfere and speak in between or not? It speaks. When it understands, My Father has come, then it will stop interfering. The bull rides on Shankar. But such time will also come when Shankar alone will ride on the bull. And Shiva will be seen to be riding on Shankar. Brahma will not be seen to be interfering in between.

समय–48.45–49.50
जिज्ञासुः अधर कुमारों की बात बोल रहा हूँ। अधर कुमार का परिवार अगर ज्ञान में चल नहीं रहा है, लेकिन एक ही आत्मा चल रहा है। और उसको कभी–कभी ऐसा लगता है कि घर छोडके बाबा के पास चले आये।
बाबाः घर छोड़के आ जाता है बाबा के पास?
जिज्ञासः हाँ। ये ठीक है कि नहीं।
बाबाः माना सन्यासी बनके आ जाता है?
जिज्ञासुः नहीं–2। कभी–2 ऐसा मन करता है। ये ठीक बात है कि नहीं?
बाबाः माना पर्मिशन लेके आ जाता है?
जिज्ञासुः हाँ जी।
बाबाः हाँ ठीक है। अच्छी बात है। वेलकम। अगर पर्मिशन लेकर आता है बीबी, बाल–बच्चों से तो बाबा कहेंगे वेलकम।
जिज्ञासुः पर्मिशन नहीं मिलेगा तो ठीक नहीं है ना?
बाबाः तो प्रवृत्ति को निभाया?
जिज्ञासुः नहीं।
बाबाः मक्खनबाजी तो करनी पड़ेगी।
जिज्ञासुः वो तो सही बात है।

Time: 48.45-49.50
Student: I am speaking about the *adhar kumars*[6]. If the family of the *adhar kumar* is not following the knowledge, but only one soul is following it; and sometimes he feels like leaving his house and coming to Baba.
Baba: He leaves the home and comes to Baba?
Student: Yes. Is this ok or not?
Baba: It means that he becomes a *sanyasi* and comes?
Student: No, no. Sometimes he feels like that. Is this ok or not?
Baba: Does it mean he comes with the permission [of the family members]?
Student: Yes.
Baba: Yes, it is ok. It is good. Welcome. If he comes with the permission from the wife and children, then Baba will say 'welcome'.
Student: If they do not give him the permission, then it is not fine, is it?
Baba: Then did you maintain the household?
Student: No.
Baba: You will have to butter them up.
Student: That is true.

समय–53.46–56.48

[6] Married male

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः बाबा, एक समस्या है। बाबा मैं उदाहरण के लिए बोल रहा हूँ हमारी बेटी है। बेटी ज्ञान में नहीं चल रही है। हम ज्ञान में चल रहे हैं। बेटी की शादी की उम्र हो चुकी है। उसको शादी का मन हो गया। लेकिन बाप उस बेटी को कन्यादान दे सकते हैं?
बाबाः देखो भारत की परम्परा रही है, स्वयंवर की। भारत की प्राचीन परम्परा स्वयंवर की है या नहीं है?
जिज्ञासुः है।
बाबाः वो स्वयंवर संगमयुग की यादगार है या भक्तिमार्ग की बात है? संगम की यादगार है। माना कन्या को ये अधिकार होना चाहिए। क्या? वो चाहे तो शादी करे और चाहे तो ज्ञान में चले।
जिज्ञासुः मेरे कहने का मतलब है, बाप तो ज्ञान में चल रहा है...
बाबाः बाप ज्ञान में चल रहा है। बच्ची ज्ञान में नहीं चल रही है। शादी करना चाहती है।
जिज्ञासुः जी।
बाबाः तो उसकी शादी कराओ।

Time: 53.46-56.48
Student: Baba, there is a problem. I am speaking for an example, I have a daughter. She does not follow the knowledge. I am following it. The daughter has reached the marriageable age. She wants to marry. But can the father give away his daughter in marriage?
Baba: Look, the tradition of *swayamwar*[7] has remained prevalent in India. Was *swayamvar* an ancient tradition of India or not?
Student: It was.
Baba: Is that *swayamvar* a memorial of the Confluence Age or is it the topic of the path of *bhakti*? It is a memorial of the Confluence Age. It means that the virgin should have this right. What? If she wishes she can get married or follow the knowledge.
Student: I mean to say, the father follows the knowledge.
Baba: The father follows knowledge. The daughter does not follow knowledge. and wants to get married.
Student: Yes.
Baba: Then have her married.

जबरदस्ती डाल देंगे। तो ये धक्का देके चलाना हुआ ना।
जिज्ञासुः कोई श्रीमत की बरखिलाफ तो नहीं होगा? बाबाः अरे! बता रहे हैं ना। अगर जबरदस्ती उसकी इच्छा के बरखिलाफ यज्ञ में डाल दिया। तो ये धक्के देके चलाना हुआ ना। अगर धक्का देके चलाया तो ये हो गया पुष्करनी ब्राह्मण। पुश माना धक्का देना। तो पुष्करनी ब्राह्मण बनाना है बच्ची को या अपने बच्चों को सारस्वत ब्राह्मण बनाना है? सारस्वत बनाना चाहिए। उसकी बुद्धि में खुद बैठे।
दूसरा जिज्ञासुः बाबा वो बोल रहे हैं– कन्या दान देने वाले को फिर सजा नहीं मिलेगी? कन्या दान देने वाला तो ज्ञान में चल रहा है ना।
बाबाः ज्ञान में चल रहा है। लेकिन कन्या तो कन्या नहीं रही। वो तो अपना बल अपने आप मांग रही है।
जिज्ञासुः हाँ।
बाबाः वो कन्या रही? बाप की बच्ची रही?

If you put her forcibly (in the *yagya*), then, this is like making her follow [the knowledge] by pushing her, isn't it?

[7] A custom where the bride chooses her bridegroom

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: Will it not be against *shrimat*?
Baba: Arey, that is what is being explained, isn't it? If you put her in the *yagya* forcibly, against her wish, then this is like making her follow [the knowledge] by pushing her, isn't it? If you make her follow [the knowledge] by pushing her, then this is like Pushkarni Brahmins. *Push* means to give a push. So, should you make your daughter a Pushkarni Brahmin or should you make her Saaraswat[8] Brahmin? You should make her Saaraswat. It should sit in her intellect on her own.
Another Student: Baba, he is saying: won't the one who gives away his daughter in marriage suffer any punishment? The one who solemnizes the marriage follows knowledge.
Baba: He follows the knowledge, but the virgin is not a virgin. She is voluntarily seeking her right.
Student: Yes.
Baba: Is she a virgin then? Is she the father's daughter?

तीसरा जिज्ञासुः नहीं बाप अगर कन्या दान कर दे ज्ञानी होने के बावजूद तो उसे सजा मिलेगी क्या?
बाबाः अरे! कन्या उसकी है कहाँ? कन्या माना रचना। कन्या हो, चाहे कुमार हो अगर बाप की कन्ट्रोल में नहीं है तो वो रचना रचना है?
सभीः नहीं।
बाबाः फिर तुम्हारी रचना ही नहीं है। दान तुम क्या करोगे? वो तो मजबूरी का नाम महात्मा गांधी। काहे का दान? नहीं दान करोगे तो भी वो भाग जाएगी तब क्या करोगे?
जिज्ञासुः और समस्या है।
बाबाः मुँह काला हो जाएगा।

Another Student: If the father of his daughter despite following the knowledge, will he get any punishment?
Baba: *Arey*! She is not his daughter [any more]. Daughter means creation. Whether it is a daughter or a son, if he is not under the father's control, then is that creation a creation?
Everyone: No.
Baba: Then, she is not your creation at all. Whom will you give away (donate) (in marriage)? That is the case of 'The name of compulsion is (*majboori ka naam hai*) Mahatma Gandhi'. What kind of a donation is it then? If you do not perform her marriage, in that case too, she will run away. What will you do then?
Student: It will be a bigger problem.
Baba: You will be disgraced[9]
……
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

[8] The ones who become Brahmins on their own
[9] *Muuh kala hona*: lit. the face to become black; fig. to be disgraced

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info